सीसीई मॉडल टैस्ट पेपर–1

हिंदी : कोर्स 'ए'

द्वितीय सत्र (संकलित परीक्षा-II)

(अभ्यास के लिए)

कक्षा : दसवीं

समय : 3 घंटे *पूर्णांक : 90*

सामान्य निर्देश :

(i) इस प्रश्नपत्र के चार खंड हैं–'क', 'ख', 'ग' और 'घ'।

(ii) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(iii) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमानुसार दीजिए।

खंड 'क'

अपठित गद्यांश

प्रश्न 1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए–

कबीर एक युग-प्रवर्तक संत थे। उनकी कथनी और करनी–वाणी और कर्म में साम्य था। वे जो कुछ कहते थे, उनके मूल में उनका अनुभव और आत्मविश्वास था। उनमें अपने सिद्धांतों और सत्य के प्रति पूरी ईमानदारी थी, इसी कारण उनकी उक्तियाँ इतनी चुभने वाली हैं। मानव मात्र को समान समझने वाले कबीरदास ऊँच-नीच के भेद, बाह्याचार तथा झूठे दिखावे को सह नहीं सके। ऐसे पाखंडियों का खंडन उन्होंने कटु व्यंग्य के साथ किया है। पंडित और मुल्ला, शेख और साधु किसी के साथ उन्होंने पक्षपात नहीं किया।

कबीर भक्त और कवि होने के अतिरिक्त समाज-सुधारक भी थे। समाज की कमजोरी, उसकी विषमता को कबीरदास ने पहचाना और अपनी पूरी ईमानदारी के साथ उसे दूर करने का प्रयास किया। समाज के अंतर्गत किसी प्रकार का जातिगत भेदभाव कबीर को मान्य न था। समाज में प्रचलित रूढ़ियों और मिथ्याडंबरों की उन्होंने कटु आलोचना की। उस समय का धर्म ब्राह्याचारों और कुसंस्कारों से जकड़ा हुआ था। उन्होंने धर्म के बाहरी विधि-विधानों (जप, माला, छापा, हज, तिलक, रोज़ा, नमाज़ आदि) का विरोध किया। व्यक्तिगत पवित्रता और आचरण को महत्त्व देते हुए भी कबीर की साधना-पद्धति समाज की उपेक्षा नहीं करती। उन्होंने समाज से दूर हटकर जप-तप को प्रशंसनीय नहीं माना। प्रवृत्ति (लगाव) और निवृत्ति (वैराग्य) दोनों का मध्य मार्ग ही उन्होंने चुना।

1. कबीर का किस बात में विश्वास नहीं था ? (1)

(क) कथनी और करनी में (ख) वाणी और कर्म में

(ग) सिद्धांतों और सत्य में (घ) पाखंड और दिखावे में

2. कबीर इनमें से क्या नहीं थे ? (1)

(क) भक्त (ख) कवि

(ग) समाज-सुधारक (घ) मूर्तिपूजक

3. इनमें से कौन-सी बात बाह्य विधि-विधानों में नहीं आती ? (1)

(क) माला फेरना (ख) तिलक लगाना

(ग) मूर्ति पूजा (घ) साधना करना

4. कौन-से शब्द विपरीतार्थक नहीं हैं ? (1)

(क) अपेक्षा-उपेक्षा (ख) प्रशंसा-निंदा

(ग) प्रवृत्ति-निवृत्ति (घ) पवित्रता-शुद्धता

5. 'बाह्याचार' शब्द का सही संधि-विच्छेद है _____। (1)

(क) बाह्य + आचार (ख) बा + ह्याचार

(ग) बाह्या + चार (घ) बाह्या + आचार

प्रश्न 2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए–

भारतवर्ष ने कभी भी भौतिक वस्तुओं के संग्रह को बहुत अधिक महत्त्व नहीं दिया है, उसकी दृष्टि से मनुष्य के भीतर जो महान आंतरिक तत्त्व स्थिर भाव से बैठा हुआ है, वही चरम और परम है। लोभ-मोह, काम-क्रोध आदि विकार मनुष्य में स्वाभाविक रूप से विद्यमान रहते हैं, पर उन्हें प्रधान शक्ति मान लेना और अपने मन तथा बुद्धि को उन्हीं के इशारे पर छोड़ देना बहुत निकृष्ट आचरण है। भारतवर्ष ने कभी भी उन्हें उचित नहीं माना, उन्हें सदा संयम के बंधन से बाँधकर रखने का प्रयत्न किया है। परंतु भूख की उपेक्षा नहीं की जा सकती, बीमार के लिए दवा की उपेक्षा नहीं की जा सकती, गुमराह को ठीक रास्ते पर ले जाने के उपायों की उपेक्षा नहीं की जा सकती।

व्यक्ति-चित्त सब समय आदर्शों द्वारा चालित नहीं होता। जितने बड़े पैमाने पर इन क्षेत्रों में मनुष्य की उन्नति के विधान बनाए गए, उतनी ही मात्रा में लोभ, मोह जैसे विकार भी विस्तृत होते गए। लक्ष्य की बात भूल गए। आदर्शों को मज़ाक का विषय बनाया गया और संयम को दकियानूसी मान लिया गया। परिणाम जो होना था, वह हो रहा है। यह कुछ थोड़े से लोगों के बढ़ते हुए क्षोभ का नतीजा है, परंतु इससे भारतवर्ष के पुराने आदर्श और भी अधिक स्पष्ट रूप से महान और उपयोगी दिखाई देने लगे हैं।

भारतवर्ष सदा कानून को धर्म के रूप में देखता आ रहा है। आज एकाएक कानून और धर्म में अंतर कर दिया गया है। धर्म को धोखा नहीं दिया जा सकता, कानून को दिया जा सकता है। यही कारण है कि जो लोग धर्मभीरु हैं, वे कानून की त्रुटियों से लाभ उठाने में संकोच नहीं करते।

1. भारतवर्ष में किस बात को अधिक महत्त्व दिया गया है ? (1)

(क) भौतिक वस्तुओं के संग्रह को (ख) मनुष्य के भीतर के आंतरिक तत्व को

(ग) मनुष्य की दृष्टि को (घ) किसी को नहीं

2. मनुष्य में क्या चीज़ स्वाभाविक रूप से विद्यमान नहीं रहती ? (1)

(क) लोभ-मोह (ख) काम-क्रोध

(ग) विकार (घ) संयम

3. व्यक्ति का चित्त सदा किनसे नहीं चलता ? (1)

(क) आदर्शों से (ख) आचरणों से

(ग) लोभों से (घ) कानूनों से

4. किसे दकियानूसी मान लिया गया ? (1)

(क) आदर्शों को (ख) संयम को

(ग) आदर्शों और संयम को (घ) क्षोभ को

5. किसे धोखा नहीं दिया जा सकता ? (1)

(क) धर्म को (ख) कानून को

(ग) लोभ को (घ) आदर्शों को

अपठित काव्यांश

प्रश्न 3. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए–

जय हो उसकी
जिसने मुझको दो पैर दिए।
अपनों से बढ़कर
जिसने मुझको गैर दिए।
समतल राहों में चलने से
क्या पाऊँगा ?
जो कुछ पाया है
इन्हीं ठोकरों के बूते
जो कुछ सीखा है·
फटी बिवाई का फल है।
यों तो जीवन में
सब कुछ सहना पड़ता है
नदियाँ नहरों में बँधकर
याद सँजोती हैं
खेतों को शायद
उनकी तड़पन मिल जाए
मासूम धरा की छाती
दरक न पाए
इसलिए बंधनों को
उसने कब दुत्कारा ?

1. कवि किसकी जय बोलना चाहता है ? (1)

(क) जिसने उसे आगे बढ़ने की हिम्मत दी (ख) जिसने उसे आगे बढ़ने से रोका
(ग) जिससे उसने कुछ पाया (घ) जिसने समतल राहें प्रदान कीं

2. आदमी किससे सीखता है ? (1)

(क) समतल राहों से (ख) ठोकरों से
(ग) दूसरों से (घ) स्वयं से

3. कवि ने जो कुछ सीखा है, वह किसका फल है ? (1)

(क) कष्टपूर्ण जीवन का (ख) सुखद जीवन का
(ग) सहनशीलता का (घ) अपने आप

4. 'धरा' का कौन-सा शब्द पर्यायवाची नहीं है ? (1)

(क) धरती (ख) भूमि
(ग) धरित्री (घ) वारि

5. धरती ने बंधनों को _____। (1)

(क) स्वीकारा (ख) दुत्कारा
(ग) दरकाया (घ) तड़पाया

प्रश्न 4. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए–

मन मोहिनी प्रकृति की जो गोद में बसा है,
सुख स्वर्ग-सा जहाँ है, वह देश कौन-सा है ?

जिसका चरण निरंतर रत्नेश धो रहा है,
जिसका मुकुट हिमालय, वह देश कौन-सा है ?
नदियाँ जहाँ सुधा की धारा बहा रही हैं,
सींचा हुआ सलोना, वह देश कौन-सा है ?
पृथ्वी निवासियों को जिसने प्रथम जगाया,
शिक्षित किया सुधारा, वह देश कौन-सा है ?
छोड़ा स्वराज्य तृणवत् आदेश से पिता के,
वह राम था जहाँ पर, वह देश कौन-सा है ?
निःस्वार्थ शुद्ध प्रेमी भाई भले जहाँ थे,
लक्ष्मण-भरत सरीखे, वह देश कौन-सा है ?

1. कवि द्वारा वर्णित देश कहाँ बसा है ? (1)

(क) प्रकृति की गोद में (ख) स्वर्ग में
(ग) यहीं-कहीं (घ) समुद्र के निकट

2. इस देश के चरणों को निरंतर कौन धो रहा है ? (1)

(क) हिमालय (ख) सागर
(ग) वर्षाजल (घ) सुधा

3. 'सुधा' का सही अर्थ है _____। (1)

(क) सुगंध (ख) अमृत
(ग) सौरभ (घ) जल

4. किसने स्वराज्य को पिता के आदेश से छोड़ दिया था ? (1)

(क) दशरथ ने (ख) राम ने
(ग) कृष्ण ने (घ) किसी और ने

5. लक्ष्मण-भरत का नाम क्यों लिया गया है ? (1)

(क) भाई का आदर्श रूप बताने के लिए (ख) आदर्श राजा बताने के लिए
(ग) स्वार्थ का रूप बताने के लिए (घ) प्रसंगवश

खंड 'ख'

व्यावहारिक व्याकरण

प्रश्न 5. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित अंश का पद-परिचय दीजिए– (5 × 1 = 5)

(क) बच्ची ने गुड़िया को सजाया और सुला दिया।
(ख) बच्चे चित्रोंवाली पुस्तकें पसंद करते हैं।
(ग) भारत ने यह मैच जीत लिया है।
(घ) मुझ से यह काम नहीं हो पाएगा।
(ङ) वाह! कमाल कर दिया।

प्रश्न 6. निर्देशानुसार कीजिए– (5 × 1 = 5)

(क) भोजन करते-करते बातें करना अच्छी आदत नहीं है। (रचना के आधार पर वाक्य-भेद बताइए)
(ख) जहाँ मैच खेला गया, वहीं खिलाड़ियों की सभा हुई। (रचना के आधार पर वाक्य-भेद बताइए)
(ग) परिश्रम करने वाले विद्यार्थी असफल नहीं होते। (मिश्र वाक्य में बदलिए)
(घ) रमेश खाना-खाने के पश्चात सोने चला गया। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)
(ङ) वर्षा ऋतु आई। मोर नाचने लगे। (एक संयुक्त वाक्य बनाइए)

प्रश्न 7. निर्देशानुसार कीजिए– (5 × 1 = 5)

(क) आज बच्चों द्वारा मधुर गान प्रस्तुत किया गया। (कर्तृवाच्य मे बदलिए)

(ख) वह तेज नहीं चलता। (भाववाच्य में बदलिए)

(ग) दिनकर ने सुंदर कविताएँ लिखीं। (कर्मवाच्य में बदलिए)

(घ) भारत ने क्रिकेट मैच जीत लिया। (वाच्य बताइए)

(ङ) नौकरानी द्वारा काम समाप्त किया गया। (वाच्य बताइए)

प्रश्न 8. निम्नलिखित काव्य-पंक्तियों में किस अलंकार का प्रयोग हुआ है ? (5 × 1 = 5)

(क) मुदित महीपति मंदिर आए।

(ख) सजल नीरद-सी कांति थी

(ग) आए महंत वसंत

(घ) पाहुन ज्यों आए हों गाँव में शहर के

(ङ) मेघमय आसमान से उतर रही है,
संध्या-सुंदरी, परी-सी।

खंड 'ग'

प्रश्न 9. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए–

आग के आविष्कार में कदाचित पेट की ज्वाला की प्रेरणा एक कारण रही। सुई-धागे के आविष्कार में शायद शीतोष्ण से बचने तथा शरीर को सजाने की प्रवृत्ति का विशेष हाथ रहा। अब कल्पना कीजिए उस आदमी की जिसका पेट भरा है, जिसका तन ढँका है, लेकिन जब वह खुले आकाश के नीचे सोया हुआ रात के जगमगाते तारों को देखता है, तो उसको केवल इसलिए नींद नहीं आती क्योंकि वह यह जानने के लिए परेशान है कि आखिर यह मोती भरा थाल क्या है ? पेट भरने और तन ढँकने की इच्छा मनुष्य की संस्कृति की जननी नहीं है। पेट भरा और तन ढँका होने पर भी ऐसा मानव जो वास्तव में संस्कृत है, निठल्ला नहीं बैठ सकता। हमारी सभ्यता का एक बड़ा अंश हमें ऐसे संस्कृत आदमियों से ही मिला है, जिनकी चेतना पर स्थूल भौतिक कारणों का प्रभाव प्रधान रहा है, किन्तु उसका कुछ हिस्सा हमें मनीषियों से भी मिला है जिन्होंने तथ्य-विशेष को किसी भौतिक प्रेरणा के वशीभूत होकर नहीं, बल्कि उनके अपने अंदर की सहज संस्कृति के ही कारण प्राप्त किया है। रात के तारों को देखकर न सो सकने वाला मनीषी हमारे आज के ज्ञान का ऐसा ही प्रथम पुरस्कर्ता था।

1. आग के आविष्कार के पीछे क्या कारण रहा होगा ? (1)

(क) पेट की ज्वाला (ख) रोशनी

(ग) गर्मी (घ) कुछ नया करने की

2. सुई-धागे के आविष्कार में कौन-सी प्रवृत्ति काम कर रही थी ? (1)

(क) शीतोष्ण से बचने की (ख) शरीर को सजाने की

(ग) (क) और (ख) दोनों (घ) कोई नहीं

3. लेखक किसे संस्कृति की जननी नहीं मानता ? (1)

(क) पेट भरने की इच्छा (ख) तन ढकने की इच्छा

(ग) (क) और (ख) दोनों (घ) कुछ नया करना

4. संस्कृत व्यक्ति क्या नहीं कर सकता ? (1)

(क) वह निठल्ला नहीं बैठ सकता (ख) वह काम नहीं कर सकता

(ग) वह खोज नहीं कर सकता (घ) वह भूखा नहीं रह सकता

5. 'शीतोष्ण' शब्द कैसे बना है ? (1)

(क) शीत + उष्ण (ख) शीतो + षण

(ग) शी + तोषण (घ) शीतष्ण + ओ

अथवा

मैं भी युवा थी और शीला अग्रवाल की जोशीली बातों ने रगों में बहते खून को लावे में बदल दिया था। स्थिति यह हुई कि एक बवंडर शहर में मचा हुआ था और एक घर में। पिताजी की आज़ादी की सीमा यहीं तक थी कि उनकी उपस्थिति में घर में आए लोगों के बीच उठूँ-बैठूँ, जानूँ-समझूँ। हाथ उठा-उठाकर नारे लगाती, हड़तालें करवाती, लड़कों के साथ शहर की सड़कें नापती लड़की को अपनी सारी आधुनिकता के बावजूद बर्दाश्त करना उनके लिए मुश्किल हो रहा था तो किसी की दी हुई आज़ादी के दायरे में चलना मेरे लिए। जब रगों में लहू की जगह लावा बहता हो तो सारे निषेध, सारी वर्जनाएँ और सारा भय कैसे ध्वस्त हो जाता है, यह तभी जाना और अपने क्रोध से सबको थरथरा देने वाले पिताजी से टक्कर लेने का जो सिलसिला तब शुरू हुआ था, राजेंद्र से शादी की, तब तक वह चलता ही रहा।

1. शीला अग्रवाल कौन थी ? (1)

(क) लेखिका की सहपाठिका (ख) एक नेत्री

(ग) लेखिका की हिंदी प्राध्यापिका (घ) प्रधानाचार्या

2. 'बहते खून को लावे में बदल दिया'–का आशय है _____। (1)

(क) असीम जोश भर दिया (ख) देशभक्त बना दिया

(ग) पढ़ाई में लगा दिया (घ) भाषण देना सिखा दिया

3. पिताजी की दी हुई आज़ादी की सीमा कहाँ तक थी ? (1)

(क) कॉलेज पढ़ने जाऊँ

(ख) घर में चुप रहूँ

(ग) उनकी उपस्थिति में घर में आए लोगों के बीच उठूँ-बैठूँ

(घ) मेहमानों को चाय-नाश्ता दूँ

4. पिताजी को आधुनिकता के बावजूद क्या बर्दाश्त करना मुश्किल था ? (1)

(क) उनकी बेटी नारे लगाए (ख) हड़तालें करवाती फिरे

(ग) लड़कों के साथ सड़कें नापती फिरे (घ) उपर्युक्त सभी बातें

5. पिताजी का स्वभाव कैसा था ? (1)

(क) सहज (ख) क्रोधी

(ग) मृदुल (घ) सामान्य

प्रश्न 10. बिस्मिल्ला खाँ के जीवन से जुड़ी उन घटनाओं और व्यक्तियों का उल्लेख कीजिए जिन्होंने उनकी संगीत साधना को समृद्ध किया। (4)

प्रश्न 11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए– (3 × 2 = 6)

(क) लेखक भदंत आनंद कौसल्यायन की दृष्टि से 'सभ्यता और संस्कृति' की सही समझ अब तक क्यों नहीं बन पाई है ?

(ख) गिरती आर्थिक स्थिति ने लेखिका मन्नू भंडारी के पिता के व्यक्तित्व को किस प्रकार प्रभावित किया ?

(ग) क्या पुराने समय में स्त्रियों द्वारा प्राकृत भाषा का बोला जाना उनके अनपढ़ होने का सबूत है ? स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 12. निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए– (5 × 1 = 5)

कितना प्रामाणिक था उसका दुख
लड़की को दान में देते वक्त
जैसे वही उसकी अंतिम पूँजी हो

लड़की अभी सयानी नहीं थी
अभी इतनी भोली सरल थी
कि उसे सुख का आभास तो होता था
लेकिन दुख बाँचना नहीं आता था।

(क) किसके दुख को प्रामाणिक कहा गया है और क्यों ?
(ख) "जैसे वह उसकी अंतिम पूँजी हो" का भाव स्पष्ट कीजिए।
(ग) लड़की को अभी दुख बाँचना क्यों नहीं आता था ?
(घ) पद्यांश के आधार पर बताइए कि लड़की कैसी थी ?
(ङ) 'सुख का आभास' से क्या तात्पर्य है ?

अथवा

कौसिक सुनहु मंद यहु बालकु। कुटिल कालबस निज कुल घालकु।।
भानु बंस राकेस कलंकू। निपट निरंकुस अबुध असंकू।।
काल कवलु होइहि छन माहीं। कहउँ पुकारि खोरि मोहि नाहीं।।
तुम्ह हटकहु जौं चहहु उबारा। कहि प्रतापु बलु रोषु हमारा।।
लखन कहेउ मुनि सुजसु तुम्हारा। तुम्हहि अछत को बरनै पारा।।
अपने मुँह तुम्ह आपनि करनी। बार अनेक भाँति बहु बरनी।।
नहि संतोषु त पुनि कछु कहहू। जनि रिस रोकि दुसह दुख सहहू।।
बीरब्रती तुम्ह धीर अछोभा। गारी देत न पावहु सोभा।।
सूर समर करनी करहिं कहि न जनावहिं आपु।
बिद्यमान रन पाइ रिपु कायर कथहिं प्रतापु।।

(क) कवि और कविता का नाम लिखिए। (1)
(ख) 'कौसिक' किसे कहा गया है ? उनसे परशुराम ने क्या शिकायत की ? (1)
(ग) परशुराम ने विश्वामित्र को क्या करने की चेतावनी दी ? (1)
(घ) परशुराम की क्रोधपूर्ण बातों का लक्ष्मण ने क्या उत्तर दिया ? (1)
(ङ) शूरवीर और कायर के बारे में क्या कहा गया है ? (1)

प्रश्न 13. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए– (2 × 5 = 10)

(क) परशुराम के क्रोध करने पर लक्ष्मण की जो प्रतिक्रिया हुई, उसके आधार पर लक्ष्मण के स्वभाव की विशेषताएँ बताइए।
(ख) 'छाया मत छूना' कविता में 'छाया' शब्द किस संदर्भ में प्रयुक्त हुआ है ?
(ग) 'कन्यादान' कविता में माँ अपनी बेटी को कैसे सावधान करती है और उसे क्या सलाह देती है ?
(घ) संगीत में संगतकार की क्या भूमिका होती है ?
(ङ) लक्ष्मण ने वीर योद्धा की क्या-क्या विशेषताएँ बताई है ?

प्रश्न 14. हिरोशिमा की घटना विज्ञान का भयानकतम दुरुपयोग है। आपकी दृष्टि में विज्ञान का दुरुपयोग और कहाँ-कहाँ हो रहा है ? आप इसे रोकने में किस प्रकार की भूमिका का निर्वाह कर सकते हैं ?

(मूल्य आधारित प्रश्न) (4)

प्रश्न 15. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए– (2 × 3 = 6)

(क) दुलारी और टुन्नू का प्रथम परिचय कहाँ और कैसे हुआ ?
(ख) 'एही ठैयाँ झुलनी हेरानी हो रामा!' का प्रतीकार्थ समझाइए।
(ग) झिलमिलाते सितारों की रोशनी में नहाया गंगतोक लेखिका को किस प्रकार सम्मोहित कर रहा था ?
(घ) 'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ के आधार पर बताइए कि लेखक को क्या-क्या बातें लिखने के लिए प्रेरित करती हैं ?

खंड 'घ'

प्रश्न 16. दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर किसी एक विषय पर लगभग 100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए– (5)

(क) **दूरदर्शन का बढ़ता प्रयोग**

- दूरदर्शन क्या है
- दूरदर्शन के कार्यक्रम
- दिन-प्रति दिन बढ़ता उपयोग

(ख) **व्यायाम और हमारा स्वास्थ्य**

- व्यायाम से तात्पर्य
- स्वास्थ्य रक्षा
- व्यायाम और स्वास्थ्य का आपस में संबंध

(ग) **नारी की स्थिति**

- समाज में नारी का स्थान
- कामकाजी नारी
- महानगरों की नारी

प्रश्न 17. भारतीय वायुसेना में 'पाइलट' के पद के लिए आयोजित प्रतियोगिता परीक्षा में असफल मित्र का ढाँढ़स बँधाते हुए पुनः प्रयास के लिए एक प्रेरणा-पत्र लिखिए। (5)

अथवा

अपने नगर के एक प्रख्यात विद्यालय को उनके छात्रों की अनुशासनहीनता की घटनाओं का उल्लेख करते हुए प्रधानाचार्य को पत्र लिखकर उचित कार्रवाई के लिए अनुरोध कीजिए।